नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 061
दि. 30.06.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीलीभीत में सीएम योगी ने विस्थापित परिवारों को दी बड़ी सौगात, सौंपे भूमि अधिकार प्रमाण पत्र

(जीएनएस)।

बरेली/पीलीभीत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पीलीभीत जिले में 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने इस दौरान विस्थापित परिवारों को भूमि अधिकार पत्र और भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र सौंपे।

पीलीभीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव पतरासा कुंवरपुर में आयोजित जनसभा में करीब 600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने कहा कि विकास के साथ-साथ सरकार अपनी विरासत और वंचित समाज के सम्मान को भी समान प्राथमिकता दे रही है। बरखेड़ा और बीसलपुर के विकास का मुद्दा उठाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 55-56 वर्ष पहले पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से प्रताड़ित होकर आए बंगाली हिंदू परिवारों को अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नागरिकता और भूमि अधिकार मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकता प्रमाणपत्र मिलने के बाद अब कोई भी इन परिवारों को यहां से नहीं हटा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकास, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, पर्यटन और आधारभूत ढांचे पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं के हित में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

सपा-कांग्रेस ने वंचितों की कभी चिंता नहीं की: योगी

मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने वर्षों तक शासन किया, लेकिन बांग्लादेश से आए प्रताड़ित हिंदू परिवारों, गरीबों, दलितों और वंचितों की चिंता कभी नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों की राजनीति केवल तुष्टिकरण तक सीमित रही, जबकि भाजपा सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है।

बंगाली पारंपरिक शंख और उलूक ध्वनि से स्वागत

मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सुबह 11.30 बजे बरखेड़ा पतरासा कुंवरपुर में बने हेलीपैड पर पहुंचा। इसे देखने के लिए लोगों की कतार लग गई। जैसे ही मुख्यमंत्री के मंच पर आने की घोषणा हुई वैसे ही बंगाली पारंपरिक परिधान में सजी महिलाओं ने शंख और उलूक ध्वनि से स्वागत किया। मंच के सामने पीलीभीत की बांसुरी का प्रतीक और फूलों से आकर्षक रंगोली बनाई। इन पलों को लोगों ने फोटो वीडियो लेकर सोशल प्लेटफॉर्म

पर शेयर कर तारीफें बटोरीं। यहां एडीजी रमित शर्मा, मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, डीआईजी अजय साहनी, एसपी सुकीर्ति माधव अन्य अफसर मौजूद रहे।

ढाई हजार विस्थापित परिवारों को मिला अधिकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत में लगभग 2,500 विस्थापित परिवारों यानी करीब 15 हजार लोगों को नागरिकता और भूमि अधिकार का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऐसे करीब 55 हजार परिवारों को चरणबद्ध तरीके से अधिकार दिलाने का अभियान चल रहा है। इसकी शुरूआत पीलीभीत से हुई। बाराबंकी, बहराइच में भी यह क्रम चल रहा है। अभी कुछ मामलों में वन विभाग और केंद्र सरकार की अनुमति मिलते ही अन्य परिवारों को भी लाभ दिया जाएगा।

विभिन्न योजना के लाभार्थियों को मिला लाभ

मृतक होमगार्ड की पत्नी पुष्पा देवी को मृतक आश्रित में 38 लाख रुपये बीमा राशि का चेक, कस्टम हायरिंग सेंटर के तहत सोनी देवी को 24 लाख रुपये अनुदान राशि, नंदनी कृषक समृद्धि योजना में कमलेश गंगवार को 31.25 लाख अनुदान राशि, स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड, सीआईएफ के लिए 10 करोड़ 12 लाख 50 हजार धनराशि का चेक दिया। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत अंशिका देवी, मीनू को कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित किया। प्रीति देवी को प्रधानमंत्री आवास और अरविंद को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत चाबी सौंपी।

फरियादियों से मिले सीएम योगी, कहा- समयसीमा में दिलाएं लोगों को न्याय

कहा- हर जरूरतमंद के इलाज की व्यवस्था करा रही सरकार, 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मिले

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उनका प्रार्थना पत्र लिया और संबंधित अधिकारियों को देकर निर्देशित किया कि सभी लोगों की समस्याओं का समाधान तय समयसीमा के भीतर हो। इसके उपरांत पीड़ित पक्ष से बात कर उनकी संतुष्टि के बारे में जानकारी ली जाए। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप बेफिक्र होकर घर जाइए, हम हर मामले का उचित निस्तारण कराएंगे।

आप स्वास्थ्य पर ध्यान दें, इलाज की चिंता सरकार करेगी

बरेली से एक महिला ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने कैंसर के इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई और आर्थिक सहायता की मांग की। सीएम ने उनसे हॉस्पिटल का एस्टिमेट मांगा, जिसे वह तत्काल उपलब्ध न करा सकीं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप हॉस्पिटल से एस्टिमेट मंगवा लीजिए। आप स्वास्थ्य पर ध्यान दें, इलाज की चिंता सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने मरीज को एडमिट कराने और उनके समुचित इलाज के लिए भी निर्देशित किया।

वादकारियों को समय से न्याय दिलाना सरकार की मंशा

'जनता दर्शन' में राजस्व संबंधी मामले भी आए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अतिक्रमण कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। इस पर निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। सीएम ने राजस्व मुकदमों के समयबद्ध निस्तारण पर भी जोर दिया। कहा कि इस पर जल्द निर्णय होने से वादकारियों को समय से राहत मिलती है। राजस्व से जुड़े अधिकारी समय से न्यायालय में बैठें। इस संबंध में निर्णय भी जल्द दें, क्योंकि ऐसा न होने से गरीब वादकारी अधिक प्रभावित होते हैं। वादकारियों को न्याय दिलाना सरकार की मंशा है। इसके अनुरूप राजस्व से जुड़े अधिकारी जरूरतमंदों को न्याय दिलाएं।

कांग्रेस नेता के नाम पर होगा लाइनपार इलाके का नाम : सीएम योगी

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद के लाइनपार इलाके का नाम कांग्रेस नेता दाऊ दयाल खन्ना के नाम पर रखने का ऐलान किया. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद के लाइनपार इलाके का नाम कांग्रेस नेता दाऊ दयाल खन्ना के नाम पर रखने का ऐलान किया.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को घोषणा की कि मुरादाबाद के लाइनपार इलाके का नाम अब पूर्व कांग्रेस विधायक और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े नेता दाऊ दयाल खन्ना के नाम पर रखा जाएगा. मुख्यमंत्री योगी ने दाऊ दयाल खन्ना का जिक्र करते हुए कहा कि उनके गुरु महंत अवैद्यनाथ 1983 में गठित 'श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति' के अध्यक्ष थे, जबकि खन्ना पूरे आंदोलन में महासचिव के रूप में जुड़े रहे.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'दाऊ दयाल खन्ना ने अपना पूरा जीवन श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को समर्पित कर दिया. सरकार उनके योगदान के सम्मान में यह निर्णय ले रही है.' मुख्यमंत्री ने यह घोषणा मुरादाबाद दौरे के दौरान की, जहां उन्होंने 365 करोड़ रुपये से अधिक की 63 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. इनमें वॉर मेमोरियल, श्रीराम वाटिका और खेल पार्क समेत 136.15 करोड़ रुपए की 26 परियोजनाओं का लोकार्पण और 229.35 करोड़ रुपए की 37 नई परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है.

उन्होंने गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया. इस विश्वविद्यालय को 2023 में मंजूरी दी गई थी, जो मुरादाबाद के हरदादपुर (कंठ रोड) क्षेत्र में स्थित है. यहां साइंस, कॉमर्स और मैनेजमेंट में कई ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट कोर्स प्रदान करता है. मुख्यमंत्री योगी ने लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के विकास कार्यों की समीक्षा भी की. जनसभा स्थल पर पहुंचने पर उनका कैबिनेट मिनिस्टर भूपेंद्र चौधरी और सदर विधायक रितेश गुप्ता ने स्वागत किया.

योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अब दंगे और उपद्रव नहीं होते. उन्होंने कहा, 'कुंदरकी के चुनाव में आपने देखा, मैं कुंदरकीवासियों को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने तुर्क को परास्त कर यह साबित कर दिया कि अब बाबर का राज नहीं चलेगा, अब रामराज्य ही चलेगा. समाजवादी पार्टी की सोच बाबरी सोच है और बाबरी सोच हमेशा विध्वंसक होती है. यही सोच संभल के हरिहर मंदिर के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ करती है.'

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, 'ठीक 500 वर्ष पहले संभल के साथ यही त्रासदी हुई थी. अगर उस समय समाज जागरूक होता तो हरिहर मंदिर का अस्तित्व कोई खत्म नहीं कर पाता. वहां के 19 कुओं पर कोई जबरन कब्जा नहीं कर पाता और स्थानीय लोगों का जबरन धर्मांतरण कर उन्हें आक्रांताओं के पीछे चलने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता था. कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की विभाजनकारी राजनीति ही बाबरी सोच है. जातिवाद और क्षेत्रवाद के नाम पर समाज को बांटना, जातीय मुद्दों से विद्वेष फैलाना और राष्ट्रवादी समाज को कमजोर करना इनकी राजनीति का हिस्सा है.'

नो कर्फ्यू, नो दंगाङ्क यूपी में सब चंगा: उट योगी

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग अपने विध्वंसक मंसूबों के साथ संस्कृति को निगलने को तैयार दिखाई देते हैं, उन्हें रोकना जरूरी है. आज हमारा उत्तर प्रदेश 'नो कर्फ्यू, नो दंगाङ्क यूपी में सब चंगा' के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है. जो राष्ट्रवादी सोच का होगा, वह हमारा होगा और जो विध्वंसक सोच का होगा, उसकी दुर्गति मारीच और सुबाहु की तरह तय है. इसी कारण हमने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है. अगर कोई बेटी को छेड़ेगा, व्यापारी का अपहरण करेगा या अन्नदाता किसान का हक छीनेगा, तो उसे तय कर लेना चाहिए कि उसे किस लोक में जाना है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा, 'आप पिता जी की सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलाई थीं. आज की अयोध्या फिर से त्रेतायुग की याद दिला रही है. अब बारी बांके बिहारी और कृष्ण कन्हैया की है. तुष्टिकरण की राजनीति से बाहर आइए. वोट बैंक की राजनीति छोड़िए और खुलकर मथुरा-वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बोलिए. मथुरा-वृंदावन का काम तो हम कर लेंगे, लेकिन श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर आपकी राय जानना जरूरी है. तभी जनता आपके इरादों को सच मानेगी.'

सीएम योगी ने कहा, 'जनता जानती है कि समाजवादी पार्टी की साइकिल अब पंचर हो चुकी है. उसकी राजनीतिक गति समाप्त हो गई है, खेल खत्म हो चुका है. जब खेल खत्म हो गया, तो आगे की संभावनाएं भी खत्म हो गईं. इसलिए अब राम नाम का सहारा लेना ही एक रास्ता बचा है. इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में ही सही, कल्याण हो जाएगा.

पेपर लीक! 5.5 लाख में 45 छात्रों को पास कराने की डील, HOD-लेक्चरर समेत 4 अरेस्ट

NEET पेपर लीक मामले के बीच शिक्षा के नाम पर हो रही नकल और फजीवाड़े की एक बड़ी साजिश का पदार्फाश हुआ है। राजस्थान में पैरामेडिकल परीक्षा के दौरान नकल कराने वाले एक बड़े रैकेट को जयपुर वेस्ट पुलिस ने ध्वस्त कर दिया। चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो कॉलेजों के HOD, लेक्चरर और संचालक शामिल हैं। पूरी साजिश मात्र 5.50 लाख रुपये में 45 छात्रों को पास कराने की थी। पुलिस ने मोबाइल चैट, डायरियां और एडमिट कार्ड की PDF फाइलें बरामद की हैं।

सरकारी सामानों की लिस्ट लाओ, तभी छोड़ेंगे बंगला! अड़ गईं राबड़ी देवी, आज नहीं खाली करेंगी आवास

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में इन दिनों 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी बंगले को लेकर चर्चा तेज है। भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को आवास खाली करने के लिए आज अंतिम तारीख दी थी, लेकिन फिलहाल बंगला खाली होने की संभावना कम नजर आ रही है। राबड़ी देवी की ओर से विभाग से आवंटन के समय मिले सरकारी सामानों की आधिकारिक सूची मांगी गई है।

उनका कहना है कि सूची का मिलान होने के बाद ही आवास खाली करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसी वजह से अब 5 जुलाई तक समय बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इस तारीख का संबंध आरजेडी के 30वें स्थापना दिवस से भी जोड़ा जा रहा है।

भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए

अंतिम नोटिस जारी किया था। नोटिस के अनुसार 29 जून को आवास खाली किया जाना था। हालांकि सोमवार तक बंगला खाली होने को लेकर संशय बना रहा। विभाग और राबड़ी देवी के कार्यालय के बीच आवश्यक औपचारिकताओं को लेकर बातचीत जारी है। ऐसे में तय समय पर आवास खाली होने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है।

राबड़ी देवी के आप्त सचिव ने भवन निर्माण विभाग के सचिव को पत्र लिखकर आवास आवंटन के समय उपलब्ध कराए गए सरकारी सामानों की अधिकृत सूची मांगी है। उनका कहना है कि बिना आधिकारिक सूची के सामानों का मिलान संभव नहीं है। यदि सूची उपलब्ध नहीं कराई गई तो भविष्य में किसी तरह का विवाद खड़ा हो सकता है। इसी कारण आवास खाली करने की प्रक्रिया फिलहाल अटकी हुई है।

'राम के नाम पर धोखा', राम मंदिर चोरी के लिए पीएम मोदी पर बरसे प्रकाश राज, उड़ाया उनकी लोकसभा हार का मजाक

(जीएनएस)।

हाल ही जब शेखर सुमन ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से चंदा चोरी मामले पर बीजेपी सरकार पर तंज कसा था, तो एक्टर प्रकाश राज ने की भी हंसी छूट गई थी। अब उन्होंने इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने पीएम मोदी के कामकाम पर भी तंज कसा। उन्होंने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी घोटाले के लिए पीएम मोदी के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी लपेटे में ले लिया।

प्रकाश राज ने अपने अकाउंट पर पत्रकार राजीव रंजन का वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के लिए भक्तों द्वारा दिए गए कैश और कीमती सामान की कथित चोरी और हेराफेरी को लेकर सनसनीखेज दावे किए हैं। इससे राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। राजीव रंजन ने दावा किया कि राम मंदिर में 40 दिनों में 70 बार चोरी हुई।

राजीव रंजन के मुताबिक, अभी जो चंदा चोरी को लेकर जो खुलासा

हुआ है, वह सिर्फ एक छोटा यानी रत्तीभर हिस्सा है, लेकिन इसकी गहराई में जाने पर एक बड़ा घपला या घोटाला सामने आ सकता है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर से सियासी फायदा तो लिया ही गया, पर आर्थिक फायदा भी ऐसा लिया गया कि अगर पूरी पड़ताल की जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

प्रकाश राज ने राजीव रंजन के इसी वीडियो को री-शेयर कर लिखा, 'राम के नाम पर धोखा। 'गोबी है तो कद्दू है'.... क्या यही कारण है कि अयोध्या ने कट्टर पार्टी को वोट नहीं दिया?

जानकारी के लिए बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान, BJP फैजाबाद क्षेत्र से सपा से हार गई थी, जिसमें दरियाबाद, बीकापुर, रुदौली और मिल्कीपुर के अलावा अयोध्या सीट भी आती है। राम मंदिर का निर्माण करवाने के बावजूद बीजेपी को अयोध्या में हार का सामना करना पड़ा था। प्रकाश राज ने एक तरह से बीजेपी की हार को राम मंदिर चोरी घोटाले से जोड़ा और इशारा किया कि फैजाबाद के लोग बीजेपी के इरादों को अच्छी तरह समझते हैं।

मिशन 2027: चुनावी सुगबुगाहट के बीच एक्शन मोड में सीएम योगी, ताबड़तोड़ कर रहे जिलों के दौरे

उत्तर प्रदेश में चुनावी सुगबुगाहटों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के अलग-अलग जिलों का दौरा कर रहे हैं. पिछले एक सप्ताह के दौरान उनके कार्यक्रमों की रफ्तार तेज हुई है. उत्तर प्रदेश में चुनावी सुगबुगाहटों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के अलग-अलग जिलों का दौरा कर रहे हैं. पिछले एक सप्ताह के दौरान उनके कार्यक्रमों की रफ्तार तेज हुई है. हर दौरे में वे विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं, जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं और सरकारी योजनाओं का संदेश जनता तक पहुंचा रहे हैं.

यूपी के कासगंज में कैसे क्रैश दुनिया का सबसे लोकप्रिय ट्रेनर विमान Cessna 152? पायलट घायल

कासगंज जिले में सोमवार (29 जून) को हुआ डी२२ल्लं 152 विमान हादसा एक बार फिर पायलट प्रशिक्षण की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर गया। अलीगढ़ स्थित चेतक एविएशन अकादमी का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट नियमित अभ्यास उड़ान के दौरान निमार्णाधीन राजमार्ग के पास खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में अकेली मौजूद महिला प्रशिक्षु पायलट घायल हो गईं, जबकि विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि हादसा आबादी से दूर हुआ, जिससे कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। शुरूआती तौर पर तकनीकी खराबी, मौसम या मानवीय त्रुटि जैसे कई पहलुओं की जांच की जा रही है।

जयपुर में निमार्णाधीन दीवार ढही, 3 मजदूरों की मौत, मलबे में कई के दबे होने की आशंका

(जीएनएस)।

राजस्थान की राजधानी जयपुर के चंदवाजी इलाके में सोमवार, 29 जून को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां निमार्णाधीन दीवार अचानक गिर गई, जिसके नीचे कई मजदूर दब गए।

हादसे में अब तक 3 मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मौके पर राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है।

जयपुर ग्रामीण के DCP हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि चंदवाजी के ताला मोड़ इलाके में दीवार गिरने की घटना में तीन लोगों की मौत हुई है। घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है और बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

लंच टाइम में हुआ हादसा, 'अरावली पैलेस' में चल रहा था काम

जयपुर ग्रामीण के डीसीपी (DCP) हनुमान प्रसाद मीणा से मिली जानकारी के मुताबिक, यह हादसा चंदवाजी क्षेत्र

के ताला मोड़ के पास स्थित 'अरावली पैलेस' में हुआ। वहां पिछले कुछ समय से निर्माण कार्य चल रहा था और रोज की तरह कई मजदूर काम में जुटे हुए थे।

लंच की वजह से बची कई जानें बच गईं। चश्मदीदों के मुताबिक, यह हादसा दोपहर के वक्त हुआ। गनीमत यह रही कि अधिकांश मजदूर उस समय खाना खाने (लंच करने) के लिए थोड़ी दूर गए हुए थे।

दीवार के ठीक नीचे उस वक्त सिर्फ 5 से 6 मजदूर ही मौजूद थे। यही वजह रही कि एक बहुत बड़ा हादसा होने से टल गया, वरना हताहतों की संख्या बहुत ज्यादा हो सकती थी।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मलबे से अब तक तीन मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं। वहीं कई घायल मजदूरों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मलबे के नीचे अभी और लोगों के फंसे होने की संभावना है। इसी वजह से रेस्क्यू टीम पूरी सतर्कता के साथ मलबा हटाने का काम कर रही है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

अयोध्या पर आवाज, मथुरा पर चुप्पी', यूपी बीजेपी अध्यक्ष का अखिलेश यादव पर हमला

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद के बीच बीजेपी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुद्दे पर अखिलेश यादव की चुप्पी को तुष्टिकरण की राजनीति बताया है. सीएम योगी और पंकज चौधरी ने उनसे मथुरा पर रुख स्पष्ट करने को कहा. वहीं, अखिलेश ने अयोध्या जाने की बात कही, लेकिन मथुरा विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की.

(जीएनएस)।

अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित वित्तीय गड़बड़ी को लेकर चल रही राजनीतिक बहस के बीच, उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव से मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर उनकी 'चुप्पी' को लेकर सवाल किया. '' पर एक पोस्ट में चौधरी ने यादव पर निशाना साधते हुए कहा, 'अयोध्या पर आवाज उठाना और मथुरा पर पूरी तरह चुप रहना...!'

उन्होंने कहा, 'जहां वोट बैंक है, वहां आवाज है; जहां सच बोलने की जरूरत है, वहां चुप्पी है. यही सपा अध्यक्ष की राजनीति का सबसे बड़ा सिद्धांत है.'

अखिलेश यादव के रुख पर सवाल उठाते हुए, चौधरी ने कहा, 'सवाल यह है कि मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर यह चुप्पी क्यों? क्या यह चुप्पी सिद्धांतों पर आधारित है या वोट बैंक की राजनीति की मजबूरी के कारण है?'

उन्होंने यह भी दावा किया कि

सपा प्रमुख के 'चुनिंदा दर्द' को आसानी से समझा जा सकता है और इसे 'तुष्टिकरण की राजनीति का असली चेहरा' बताया.

बीजेपी का यह हमला तब हुआ है जब यादव ने 7 जून को राम मंदिर में दिए गए दान में कथित हेराफेरी का मुद्दा उठाया था. प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच के लिए 13 जून को एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया था. SIT की रिपोर्ट के आधार पर, कथित हेराफेरी के सिलसिले में आठ लोगों- अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, राम शंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव- को गिरफ्तार किया गया था. वे राम मंदिर में दान के तौर पर मिले नकद और कीमती सामान की गिनती करने के काम से जुड़े थे. सोमवार को अयोध्या की एक स्थानीय अदालत ने सभी आठ आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया.

शनिवार को अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि मंदिर के दान में कथित गड़बड़ी से लोगों की आस्था के साथ धोखा हुआ है और कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह अयोध्या को एक 'बेमिसाल' धार्मिक और पवित्र शहर के रूप में विकसित करेगी.

रविवार को हाथरस में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश से श्री कृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा. अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, "अखिलेश जी, राम भक्तों ने अयोध्या को पहले ही बदल दिया है; अब मथुरा के बारे में बात करें. अगर आप सच में खुद को धार्मिक दिखाना चाहते हैं, तो मथुरा-वृंदावन और श्री कृष्ण जन्मभूमि पर खुलकर बोलें. आपको यह भी कहना चाहिए कि श्री राम जन्मभूमि आंदोलन की तर्ज पर श्री कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए भी अभियान चलाया जाना चाहिए.

मुख्यमंत्री ने ने कहा, "एक बार पछतावा करें, राम लला के दर्शन करें और शायद इससे आपको सद्बुद्धि मिले. फिर तैयारी करें, ताकि हम भगवान कृष्ण के लिए भी कुछ कर सकें."

रविवार को प्रयागराज में जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इटावा में केदारेश्वर शिव मंदिर का काम पूरा होने के बाद वे भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या जाएंगे. उन्होंने अयोध्या को लेकर बीजेपी पर कई आरोप भी लगाए, लेकिन मथुरा के मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की.

श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद अभी अदालतों में लंबित है. हिंदू पक्ष ने शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाने, जमीन का कब्जा लेने और श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग करते हुए 18 मुकदमे दायर किए हैं.

यह विवाद मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है. हिंदू याचिकाकताओं के अनुसार, इसे मुगल सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में एक मंदिर को तोड़कर बनाया गया था; माना जाता है कि वह मंदिर भगवान कृष्ण का जन्मस्थान था. यह मामला अदालत में विचाराधीन है.

3 दिन के अंदर अयोध्या छोड़ें...', बार एसोसिएशन ने चंपत राय को दिया अल्टीमेटम, राम मंदिर दान घोटाले पर बढ़ा बवाल

अयोध्या के फैजाबाद बार एसोसिएशन ने राम मंदिर दान गबन मामले में गिरफ्तार आरोपियों का बचाव न करने का फैसला लिया है. साथ ही मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कुछ पदाधिकारियों को शहर छोड़ने की चेतावनी देते हुए मामले की सीबीआई जांच की मांग उठाई है.

फैजाबाद बार एसोसिएशन ने राम मंदिर दान गबन मामले के आरोपियों की पैरवी से इनकार किया.

चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को तीन दिन में अयोध्या छोड़ने का अल्टीमेटम दिया गया.

बार एसोसिएशन ने मामले की सीबीआई जांच और नई एफआईआर दर्ज करने की मांग की.

पुलिस ने गिरफ्तार आठ आरोपियों के घरों पर छापेमारी कर जांच तेज कर दी है.

(जीएनएस)।

अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े कथित दान गबन मामले ने नया राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है. फैजाबाद बार एसोसिएशन ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए फैसला किया है कि संगठन का कोई भी सदस्य गिरफ्तार आरोपियों की तरफ से कोर्ट में पैरवी नहीं करेगा. इस फैसले के साथ ही मंदिर प्रबंधन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को तीन दिनों के अंदर अयोध्या छोड़ने की चेतावनी भी दी गई है.

बार एसोसिएशन की आम सभा में पारित प्रस्ताव के अनुसार, अगर कोई वकील आरोपियों की तरफ से पेश होना चाहता है तो उसे हर आरोपी के लिए 5 लाख रुपये की राशि एसोसिएशन के पास जमा करनी होगी. संगठन का कहना है कि इस धन का उपयोग मामले की कानूनी लड़ाई और अभियोजन पक्ष को मजबूत करने के लिए किया जाएगा.

और पढ़ें: राम मंदिर दान विवाद में नया मोड़! क्या ट्रस्ट को पहले से थी गड़बड़ी की भनक? सामने आए नए दावे

दान और कीमती वस्तुओं के कथित गबन का आरोप

ये पूरा विवाद राम मंदिर में श्रद्धालुओं की तरफ से चढ़ाए गए दान और कीमती वस्तुओं के कथित गबन से जुड़ा है. इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जो मंदिर में आने वाले नकद दान और अन्य बहुमूल्य वस्तुओं की गिनती और प्रबंधन से जुड़े हुए थे. कोर्ट ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और मामले की जांच जारी है.

यूपी में बढ़ी मानसून की सक्रियता, लखनऊ समेत 38 जिलों में बारिश का अलर्ट, इन शहरों में हीटवेव रहेगी जारी

उत्तर प्रदेश में मानसून धीरे-धीरे सक्रिय हो रहा हैं. मौसम विभाग ने आज लखनऊ, वाराणसी समेत कई जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट दिया है. वहीं कुछ जिलों में हीटवेव प्रकोप भी जारी रहेगा.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां अनुकूल बनी हुई हैं. प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र के जिलों में मानसून की सक्रियता से कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिली हैं. वहीं पश्चिमी यूपी के ज्यादातर जिलों में उष्ण लहर से लोगों की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं. मौसम विभाग ने आज 29 जून को भी प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में आंधी, बारिश का अनुमान जताया है. वहीं आगरा से वाराणसी से 25 जिलों में उष्ण लहर की चेतावनी दी हैं.

मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में आज अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं बूंदाबांदी होने की अनुमान जताया गया है. इस दौरान ज्यादातर इलाकों में धूलभरी आंधी चलने की संभावना है. इस तापमान पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा. वहीं कुछ जिलों में उमस और गर्मी का असर भी जारी है. 30 जून से प्रदेश में मानसून की रफ़्तार में तेजी आएगी. ऐसे में लखनऊ समेत 66 जिलों में

गरज-चमक के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान है.

जुलाई के महीने में मानसून की रफ़्तार बढ़ेगी. 2 जुलाई को एक नया पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय हो रहा है. जिसका असर उत्तर प्रदेश में भी देखने मिलेगा. जुलाई के पहले हफ्ते में पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश देखने को मिलेगी. इस दौरान तापमान में भी तेजी से कमी आएगी. अगले तीन से चार दिनों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में 8-10 डिग्री तक की कमी होने की संभावना है.

इन जिलों में हीटवेव की चेतावनी

यूपी में आज आगरा, इटावा, जालौन, झांसी, हमीरपुर, महोबा, मेरठ. मुरादाबाद, हापुड़, संभल, रामपुर और बरेली में हीट वेव अलर्ट हैं, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर और शामली में धूल भरी आंधी की चेतावनी दी गई है. जबकि प्रयागराज, फतेहपुर, बांदा, कौशांबी, प्रतापगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, वाराणसी, मीरजापुर, चंदौली और सोनभद्र में भी लू की चेतावनी हैं. दोपहर के बाद यहां मौसम में बदलाव हो सकता हैं और आंधी के साथ बारिश होने का अनुमान हैं.

लखनऊ समेत 30 जिलों में आंधी बारिश

राजधानी लखनऊ में आज दिनभर आंशिक तौर पर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी. दोपहर के बाद यहां आंधी चलने के साथ कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना हैं. जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी. वहीं सीतापुर, बाराबंकी, उन्नाव, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बहराइच, अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर, अयोध्या, गोंडा, श्रावस्ती में भी धूलभरी आंधी के साथ बूंदाबांदी होने का अनुमान है.

सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, मऊ, बलिया, बस्ती, गोरखपुर, आजमगढ़, गोरखपुर और अंबेडकर नगर में भी गरज-चमक और वज्रपात के साथ तेज बारिश का अनुमान हैं. इन जिलों में 50-60 किमी की रफ़्तार से तेज हवाएं चलेंगी. बारिश की वजह से लोगों को उमस भरी गर्मी और धूप से राहत मिलेगी.

'आसमान नहीं टूट पड़ेगा', अयोध्या चढ़ावा चोरी मामले में उइक जांच की याचिका पर तुरंत सुनवाई से सुप्रीमकोर्ट का इनकार

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने उइक के नेतृत्व में बहु-एजेंसी जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि अगर गर्मी की छुट्टियों के बाद नियमित कामकाज शुरू होने पर सुनवाई होगी, तो आसमान नहीं गिर जाएगा।

दरअसल, दो अधिवक्ताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका (PIL) में राम मंदिर में एकत्रित दान निधि से चोरी मामले में सीबीआई और अन्य एजेंसियों द्वारा अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई थी। याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की जा रही जांच से

विश्वास पैदा नहीं होता है, और आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण सबूतों को ठीक से संरक्षित नहीं किया जा रहा है।

तत्काल सुनवाई की याचिका खारिज

इस पर न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और शील नागू की पीठ ने तत्काल सुनवाई की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि इस याचिका पर 12-17 जुलाई के सप्ताह के दौरान सुनवाई की जाएगी।

चंपत राय का बयान दर्ज

गौरतलब है कि यह याचिका ऐसे समय में आई है जब उत्तर प्रदेश पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का बयान दर्ज किया जा चुका है। जबकि ट्रस्टी अनिल मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ ट्रस्ट अधिकारियों के बयान भी आवश्यकता पड़ने पर दर्ज किए जा सकते हैं।

ट्रस्ट की चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की पुष्टि

इससे पहले, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आरोपों पर अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि वह स्तब्ध, आहत और बेहद दुखी है और निष्पक्ष जांच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ट्रस्ट ने इन आरोपों पर दुख जताते हुए चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे की पुष्टि की है।

ट्रस्ट ने राम भक्तों को आश्वस्त किया है कि भगवान राम को व्यक्तिगत रूप से अर्पित की गई सभी मूल्यवान वस्तुएं, जिनमें चांदी की ईंटें और आभूषण पूरी तरह सुरक्षित है और उनका पूरा हिसाब रखा गया है।

भाजपा की नेशनल टीम में शामिल हो सकते हैं यूपी के दिग्गज नेता, लखनऊ में नितिन नवीन और बीएल संतोष करेंगे मंथन

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष 3-4 जुलाई को लखनऊ में यूपी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन करेंगे। इस बैठक ...और पढ़ें

(जीएनएस)।

लखनऊ। चुनावी कसरत में जुटी भाजपा राजनीतिक मानचित्र में यूपी को सबसे ज्यादा वरीयता दे रही है। प्रदेश संगठन बनने के बाद अब राष्ट्रीय इकाई में दावेदारों को लेकर चर्चा तेज

है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष तीन और चार जुलाई को लखनऊ में मंथन कर जहां विधान सभा चुनाव की रणनीति बनाएंगे, वहीं राष्ट्रीय टीम में पदाधिकारी वाले यूपी के चेहरों पर मुहर लगेगी।

संगठन से लेकर केंद्र सरकार के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार तक यूपी यूपी का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की तैयारी है। चर्चा है कि नवीन की टीम में यूपी से दो महामंत्री, तीन उपाध्यक्ष समेत दस पदाधिकारी बनाए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में अगले साल चुनाव होने की वजह से भाजपा संगठन का नट बोल्ट कसने में जुटी है। नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर प्रदेश एवं क्षेत्रीय इकाइयों में भी युवा चेहरों को बढ़ाने का संदेश दिया गया। पिछले दिनों नवीन ने उत्तराखंड में दो दिनी प्रवास कर संगठन को चुनावी मंत्र दिया। वह सांगठनिक दृष्टि से पहली बार उत्तर प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं।

यूपी प्रदेश इकाई की हो चुकी है घोषणा

25 जून को यूपी की प्रदेश इकाई, क्षेत्रीय अध्यक्षों एवं छह मोर्चों के अध्यक्षों की घोषणा की जा चुकी है, और इसी टीम की निगरानी में 2027 विधान सभा चुनाव होंगे। नितिन नवीन एवं बीएल संतोष लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह से मिलकर राष्ट्रीय टीम के दावेदारों के नाम फाइनल करेंगे।

वर्तमान में राष्ट्रीय टीम में यूपी से राधामोहन अग्रवाल एवं अरुण सिंह महामंत्री हैं, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेयी, पूर्व सांसद रेखा वर्मा एवं अलीगढ़ मुस्लिम विवि के पूर्व वाइस चांसलर तारिक मंसूर उपाध्यक्ष हैं। जबकि राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया है। राजेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष हैं।

इन्हें मिल सकता है मौका

माना जा रहा है कि राधा मोहन, अरुण सिंह एवं लक्ष्मीकांत के स्थान पर नए उम्र के कार्यकताओं को अवसर दिया जाएगा। इस बार यूपी से पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, राज्य सभा सदस्य अमरपाल मौर्य, पूर्व सांसद विनोद सोनकर, रेखा वर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, एमएलसी अश्विनी त्यागी, अशोक कटारिया, गोविंद नारायण शुक्ल और संतोष सिंह का नाम भी चर्चा में है।

राजनीतिक पंडितों का कहना है कि यूपी की प्रदेश इकाई में कई नए नामों की वजह से पुराने चेहरों पर मायूसी नजर आ रही, जिन्हें पार्टी संगठन से लेकर निगम, आयोग, बोर्ड एवं चुनावी समितियों के गठन तक में भूमिका देकर संतुष्ट रखने का प्रयास करेगी।

नितिन नवीन और बीएल संतोष की मुलाकात मुख्यमंत्री शेगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठ समेत कई मंत्रियों से होगी।

बाद में प्रदेश, क्षेत्र एवं जिला-महानगर के पदाधिकारियों के बैठक कर अचूक रणनीति बनाने का प्रयास होगा। माना जा रहा है कि लखनऊ में आयोजित दो दिनी बैठक भाजपा की राजनीतिक दिशा तय करेगी।

महाराष्ट्र भाजपा एमएलए राम कदम बोले- अयोध्या राम मंदिर का चंदा चुरानेवालों को बीच चौराहे 100 कोड़े मारकर फांसी पर चढ़ा दें

अयोध्या में राम मंदिर के चंदा चोरी केस में सियासत गरमा रही है। महाराष्ट्र के नेता राम कदम ने कहा कि ऐसे लोगों को फांसी दी जानी चाहिए। महाराष्ट्र ळएळ पेपर लीक मामले पर इखढ विधायक राम कदम ने कहा कि परीक्षा से पहले पेपर लीक होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

(जीएनएस)।

मुंबई : भाजपा नेता राम कदम ने टीईटी पेपर लीक मामले पर टिप्पणी करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने अयोध्या राम मंदिर चंदा विवाद, मुहर्रम जहरीले कैप्सूल मामले, पंजाब में सीता-लव कुश मंदिर बनाने की अरविंद केजरीवाल की घोषणा पर प्रतिक्रिया दी। राम मंदिर चंदा विवाद पर राम कदम ने कहा कि 500 सालों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुआ है। अयोध्या एक नाम नहीं, हमारे लिए श्रद्धा का केंद्र है। राम मंदिर से चंदा चोरी करने वालों को बीच रास्ते में खड़े करके कोड़ों से मारना चाहिए या फांसी दे देना चाहिए।

राम कदम ने कहा कि इस मामले पर यूपी सरकार गंभीरता से कार्रवाई कर रही है। इस घटना को लेकर विपक्ष भगवान राम को बदनाम न करे, क्योंकि राम मंदिर हमारी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने महाराष्ट्र में टीईटी पेपर लीक पर कहा कि पेपर लीक होना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

महाराष्ट्र पेपर लीक पर भी भड़के

राम कदन ने कहा कि पेपर लीक करने वालों को ढूंढकर फांसी के फंदे तक पहुंचाना होगा। पेपर लीक मामले की एसआईटी जांच कर रही है और तीन आरोपियों को अभी तक पकड़ा

गया है। पेपर लीक करने वाले गैंग के मुखिया को ढूंढकर कड़ी सजा दी जाएगी, ताकि भविष्य में कोई ऐसा करने की हिम्मत न करे।

'ओछी राजनीति न हो'

विपक्ष द्वारा पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर भाजपा नेता ने कहा कि पेपर लीक करने वालों के खिलाफ सत्ता-विपक्ष को मिलकर लड़ना होगा। पेपर लीक का कोई समर्थन नहीं कर सकता है और ये कोई सियासी मुद्दा नहीं है। पेपर लीक करने वालों को ढूंढकर कड़ी से कड़ी सजा देनी होगी, इसकी शुरूआत सरकार ने कर दी है। इस मामले में विपक्ष को ओछी राजनीति नहीं करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेशेल्स दौरे को लेकर भाजपा नेता राम कदम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के कई देशों का दौरा कर भारत का नाम ऊंचा किया है। भारत को धीरे-धीरे विश्व गुरु का दर्जा मिल रहा है। छोटे-बड़े देशों का दौरा कर प्रधानमंत्री भारत के रिश्ते को मजबूत कर रहे हैं।

'मुंबई मोहर्रम कैप्सूल केस'

मुंबई में मुहर्रम जुलूस में जहरीली कैप्सूल बांटने को लेकर उन्होंने कहा कि कैप्सूल बांटने वाला व्यक्ति मुस्लिम था। कैप्सूल खाने के बाद कुछ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अब जांच के बाद पता चलेगा कैप्सूल बांटने वाले का क्या मकसद था और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं? अरविंद केजरीवाल द्वारा पंजाब में माता सीता और लव-कुश मंदिर बनाने की घोषणा पर भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल पहले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से राम मंदिर का विरोध करते थे, लेकिन अब मंदिर बनाने की बात कर रहे हैं। हिंदू देवी-देवताओं का मंदिर कहीं पर बनेगा तो उसका स्वागत है, लेकिन अगर केजरीवाल चुनाव के लिए मंदिर बना रहे हैं, तो पंजाब के हिंदुओं को सतर्क रहना होगा। इनके मुंह में राम है और बगल में छूरी।

राम मंदिर विवादः आरोपियों की पैरवी करने वाले वकील पर 5 लाख रुपये जुमार्ना लगाएगा अयोध्या बार एसोसिएशन

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः अयोध्या बार एसोसिएशन ने फैसला किया है कि राम मंदिर दान चोरी मामले में किसी भी आरोपी की ओर से कोई वकील पैरवी नहीं करेगा. यदि कोई अधिवक्ता यह मामला लड़ता है, तो एसोसिएशन उस पर 5 लाख रुपये का जुमार्ना लगाने की योजना बना रही है.

अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने एएनआई से कहा, 'चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू की जाएगी. यह भी तय किया गया है कि मामले की सीबीआई जांच की मांग की जाएगी. जरूरत पड़ने पर अयोध्या अधिवक्ता संघ अपने खर्च पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएगा.'

अयोध्या बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजेश कुमार उपाध्याय ने दिप्रिंट से कहा, 'जिन लोगों को जेल

भेजा गया है, वे ड्राइवर या सफाईकर्मी हैं. वे दोषी नहीं हैं. असली आरोपी चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव हैं, लेकिन प्रशासन उन्हें बचा रहा है.'

एसोसिएशन ने यह भी तय किया है कि चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175 के तहत कार्रवाई शुरू करने की संभावनाएं तलाशेगा. यह धारा न्यायिक मजिस्ट्रेट को पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और संज्ञेय अपराध की जांच करने का आदेश देने का अधिकार देती है.

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी नृपेंद्र मिश्रा को राम मंदिर ट्रस्ट का सीईओ बनाए जाने की अटकलों पर उपाध्याय ने कहा, 'जब कारसेवकों पर गोली चलाई गई थी, तब वह सरकार में मुख्य सचिव थे. हमें सुनने में आ रहा है कि सरकार उन्हें सीईओ बनाने पर विचार कर रही है. हम इसका भी विरोध करेंगे. हम ऐसा नहीं होने देंगे.'

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

पहले अमेरिकी राष्ट्रपति कार्टर व अब ट्रंप दूसरे राष्ट्रपति जिनके सम्मान में हैदराबाद में रोड का किया गया नामकरण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर हैदराबाद में एक प्रमुख सड़क को 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू नाम दिया गया है। तेलंगाना सरकार (कांग्रेस शासित) द्वारा हाल ही में 23-24 जून 2026 को इसकी औपचारिक घोषणा की गई। यह सड़क अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में स्थित है, जहां माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और अमेजन जैसे दिग्गज वंपनियों के कार्यालय हैं। इस कदम को भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी और हैदराबाद को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब बनाने की दिशा में एक प्रतीकात्मक इशारा माना जा रहा है। ट्रंप ने खुद इसकी सराहना करते हुए दावा किया कि वे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन्हें भारत में इस तरह सम्मानित किया गया है। लेकिन ऐतिहासिक तथ्य वुछ और कहते हैं। 1978 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर को हरियाणा के एक पूरे गांव का नाम दिया गया था, जिसे आज भी कार्टरपुरी कहा जाता है। इस प्रकार कार्टर ट्रंप से लगभग 48 साल पहले इस सम्मान के हकदार बने। कार्टरपुरी की कहानी दिलचस्प है। मूल नाम दौलतपुर नसीराबाद था। 3 जनवरी 1978 को राष्ट्रपति कार्टर अपनी पत्नी रोजलिन कार्टर के साथ भारत दौरे पर यहां आए। प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के सुझाव पर गांववासियों ने पैसला किया कि गांव का नाम बदलकर कार्टरपुरी रखा जाए। इसका कारण कार्टर की मां लिलियन कार्टर का भारत से गहरा नाता था। उन्होंने 1960 के दशक में पीस कॉर्प्स के सदस्य के रूप में भारत आकर वुष्ठ रोगियों की सेवा की थी और इस गांव का भी दौरा किया था। कार्टर दंपति की यात्रा के दौरान गांववासियों ने उन्हें गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति ने गांव को धनराशि और एक टीवी सेट उपहार में दिया। उस समय हरियाणा के मुख्यमंत्री देवीलाल भी मौजूद थे। गांववासियों ने कार्टर परिवार से लंबे समय तक संपर्व बनाए रखा। आज भी 3 जनवरी को गांव में छुट्टी मनाई जाती है और कार्टर के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं (जैसे नोबेल शांति पुरस्कार) पर उत्सव मनाया जाता है। गुरुग्राम के पास स्थित यह गांव अब भी कार्टरपुरी नाम से जाना जाता है। दूसरी ओर, हैदराबाद का ट्रंप एवेन्यू वर्तमान भू-राजनीतिक और आर्थिक संदर्भ में महत्वपूर्ण है। तेलंगाना सरकार का कहना है कि यह नाम भारत.अमेरिका संबंधों को मजबूत करने और हैदराबाद की टेक क्षमता को रेखांकित करने के लिए चुना गया। अमेरिकी राजदूत स्रजियो गोर और हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्य दूत लॉरा विलियम्स की उपस्थिति में प्लाक अनावरण किया गया। यह अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान हुआ। हालांकि इस पैसले पर राजनीतिक विवाद भी छिड़ गया है। भाजपा ने इसे कांग्रेस की ष्दोगली नीतिष करार दिया है। वेंद्र में कांग्रेस ट्रंप की वुछ नीतियों की आलोचना करती रही है, लेकिन राज्य स्तर पर तेलंगाना सरकार ने उनका नाम दिया। विपक्षी दलों ने इसे निजी प्रैंचाइजी पॉलिटिक्स बताया। वहीं कांग्रेस का तर्व है कि यह कदम आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देगा। दोनों घटनाएं अलग.अलग युग की हैं। कार्टर का सम्मान व्यक्तिगत और मानवीय संबंधों पर आधारित थाए जबकि ट्रंप का नाम व्यावसायिक और रणनीतिक हितों से जुड़ा है। दोनों ही मामलों में विदेशी नेता को भारत में जगह का नाम देकर सद्भावना का संदेश दिया गया। भारत में विदेशी नेताओं के नाम पर जगहें नामित करने की परंपरा पुरानी है। नेल्सन मंडेला, जैसे नाम कई जगहों पर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपतियों में कार्टर पहले थेए जिन्हें पूरा गांव मिला। ट्रंप पहली बार किसी सड़क के नाम से जुड़े। यह घटनाव्रम याद दिलाता है कि अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रतीकों पर भी टिके होते हैं। हैदराबाद की सड़क भविष्य में और अधिक अमेरिकी निवेश आर्कषित कर सकती है, जबकि कार्टरपुरी आज भी शांति और सेवा के संदेश का प्रतीक बनी हुई है।

मुरादाबाद में सीएम योगी का वात्सल्य; जिस बच्ची का कराया था दाखिला, उसी के हाथों कराया 'श्री राम वाटिका' का लोकार्पण

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि क्या उन्हें कुछ सद्बुद्धि आई है या जनता की आंख में धूल झोंक रहे हैं। बहनें वांची और आची ने श्री राम वाटिका का किया लोकार्पण

(जीएनएस)।

मुरादाबादः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मुरादाबाद में मुरादाबाद नगर, मुरादाबाद देहात और कुंदरकी विधानसभा क्षेत्रों, नगर निगम व मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की 365 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 63 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। विकास और विरासत के संगम के बीच मुरादाबाद में एक भावुक नजारा देखने को मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब करोड़ों रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का लोकार्पण किया, तो सबसे खास और भावुक पल 'श्री राम वाटिका' के उद्घाटन का रहा। इस भव्य वाटिका का लोकार्पण किसी राजनेता या अधिकारी ने नहीं, बल्कि वहां मौजूद दो नन्ही बच्चियों वांची और आची ने मुख्यमंत्री के सान्निध्य में किया।

मुख्यमंत्री और नन्ही बच्चियों का पुराना है स्नेह का नाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

साथ फीता काटने वाली छह वर्षीय वांची और उसकी छोटी बहन आची का सीएम योगी से यह स्नेहिल जुड़ाव नया नहीं है। दरअसल, इसके पीछे एक बेहद भावुक कहानी है। मुरादाबाद के रहने वाली इन बच्चियों के पिता अमित कुमार अपनी बेटी वांची के स्कूल एडमिशन को लेकर तीन महीने से परेशान चल रहे थे। इसके बाद जून 2025 में उन्होंने 'जनता दर्शन' में बेटी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर अपनी गुहार लगाई थी।

महज तीन घंटे में दूर की थी पिता की परेशानी

बच्चों के प्रति विशेष स्नेह रखने वाले मुख्यमंत्री ने न केवल उनकी फरियाद सुनी थी, बल्कि महज तीन घंटे के भीतर उनकी समस्या का समाधान भी कर दिया था। सीएम के त्वरित निर्देश पर आरटीई के तहत उसी दिन सोमवार दोपहर को वांची का एडमिशन मुरादाबाद के प्रतिष्ठित 'सीएल गुप्ता वर्ल्ड स्कूल' में हो गया था।

सुरक्षा घेरे के बीच बेटियों को दिया सम्मान

श्री राम वाटिका के लोकार्पण के दौरान जब मुख्यमंत्री का काफिला पहुंचा, तो उनसे मिलने यह दोनों बच्चियां भी पहुंची थीं। एक पल की भी देरी किए बिना मुख्यमंत्री ने पूरे वात्सल्य के साथ उन दोनों बहनों को अपने पास बुलाया और उन्हीं नन्हे हाथों से इस भव्य श्री राम वाटिका का फीता कटवाकर इसे जनता को समर्पित कर दिया। बच्चियों के चेहरों की मुस्कान और इस अनूठे पल ने वहां मौजूद हर शख्स का दिल जीत लिया।

बीजेपी की पिच पर खेलने उतरे अखिलेश, लेकिन क्या सीएम योगी की गुगली झेल पाएंगे

(जीएनएस)।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव अयोध्या राम मंदिर में 'चंदा चोरी' का मुद्दा उठाकर सीधे बीजेपी के होम ग्राउंड पर बैटिंग करने उतरे हैं. उनका दावा है कि बीजेपी का 'लंकाकांड' अयोध्या में ही होगा. लेकिन सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी जवाब में मथुरा-काशी की ऐसी खतरनाक गुगली फेंकी है, जिसने अखिलेश के सामने बड़ी सियासी दुविधा खड़ी कर दी है.

अखिलेश यादव राम मंदिर में चंदा चोरी का मुद्दा जोर शोर से उठा रहे हैं. कह रहे कि भाजपा का लंकाकांड, अयोध्या में ही होगा. भगवान के ऑडिट से भाजपाई-गिरोह बच नहीं पाएगा. चंदा चोरी के इस खेल से बीजेपी असहज तो है, लेकिन ये भी कह रही कि कोई बचेगा नहीं. वह जानती है कि यह पिच हमेशा से उसकी रही है. धर्म-मंदिर, हिंदू इस पिच पर अब तक बीजेपी सबको मात देती रही है. तो फिर अखिलेश कहां बच पाते. सीएम योगी ने ऐसी गुगली फेंक दी है कि अखिलेश यादव के लिए उसे झेल पाना आसान नहीं होगा. क्यों कि बीजेपी पूरे मूड में है कि वह मथुरा-काशी का मुद्दा उठाएगी. अखिलेश को मजबूर करेगी यह कहने के लिए कि मथुरा में कान्हा की जन्मस्थली खाली होनी चाहिए. काशी में मस्जिद की जमीन छिननी चाहिए. क्या अखिलेश इस गुगली पर छक्का लगा पाएंगे?

कहानी की शुरूआत होती है अयोध्या से, जहां राम मंदिर ट्रस्ट के चढ़ावे में सेंधमारी की बात सामने आई. बात हवा-हवाई नहीं थी, बल्कि बाकायदा सीसीटीवी फुटेज सामने आए. गिरफ्तारियां हुईं. अखिलेश यादव को एक ऐसा मुद्दा मिल गया, जिससे वो सीधे रामभक्तों की भावनाओं को छूते हुए बीजेपी को कटघरे में खड़ा कर सकें. अखिलेश की कोशिश ये थी कि राम मंदिर निर्माण का जो क्रेडिट बीजेपी ने पिछले कई सालों में लिया है, उस पर एक झटके में पानी फेरा जाए. लेकिन बीजेपी अपनी पिच पर किसी और को सेंचुरी कैसे मारने देती. ऐसे में सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ जवाब देने के लिए खुद क्रीज पर उतर गए.

रामलला के दर्शन करने की चुनौती

मुख्यमंत्री योगी ने अखिलेश के अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने वाले बयान पर तंज कसते हुए सीधे नब्बे के दशक की याद दिला दी. योगी ने कहा कि अयोध्या को रामभक्तों ने खुद सजाया-संवारा है, आप क्या उसे धार्मिक नगरी बनाएंगे? योगी ने अखिलेश को याद दिलाया कि उनकी ही सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं. उन्होंने नसीहत दे डाली कि अखिलेश पहले अपने पुराने पापों का पश्चाताप करें और हिम्मत जुटाकर एक बार जाकर रामलला के दर्शन कर लें.

अखिलेश यादव के लिए एक ओर कुआं, दूसरी ओर खाई

लेकिन योगी इतने पर ही नहीं रुके, उन्होंने इसके बाद वो खतरनाक गुगली फेंकी, जिसे झेल पाना अखिलेश के लिए फिलहाल सबसे मुश्किल काम है. सीएम योगी ने अखिलेश को सीधी चुनौती दे डाली कि अगर उनमें सचमुच खुद को धार्मिक कहलाने की हिम्मत है, तो वो मथुरा और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर भी खुलकर बोलें. योगी ने तंज कसते हुए कहा कि आपमें हिम्मत ही नहीं है क्योंकि आप मुल्ला और मौलवियों के आगे घुटने टेकते हैं.

योगी की यह मथुरा वाली चुनौती दरअसल अखिलेश यादव के लिए आगे कुआं और पीछे खाई जैसी है. अखिलेश खुद को यदुवंशी बताते हैं और पीडीए की राजनीति के तहत मुस्लिम उनका कोर वोट बैंक है. अब अगर वो मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि को खाली कराने का समर्थन करते हैं, तो उनका मुस्लिम वोटर खिसक जाएगा. और अगर वो चुप रहते हैं या विरोध करते हैं, तो बीजेपी तुरंत कहेगी कि ये कैसे यदुवंशी हैं जिन्हें अपने आराध्य कान्हा की चिंता नहीं है. इस सियासी दुविधा में सपा बुरी तरह फंस गई है.

2027 की फुलप्रूफ ॅ लानिंग..

इस सियासी महाभारत के पीछे बीजेपी की 2027 के विधानसभा चुनावों की फुलप्रूफ प्लानिंग नजर आती है. पार्टी का फोकस अब अवध से शिफ्ट होकर ब्रज यानी मथुरा की तरफ जा रहा है. ये यूं ही नहीं है कि सीएम योगी अब तक 38 बार मथुरा-वृंदावन का दौरा कर चुके हैं. मौजूदा योगी कैबिनेट में 12 मंत्री सिर्फ ब्रज क्षेत्र से आते हैं और आने वाली 12 जुलाई को बीजेपी की राज्य कार्यकारिणी की अहम बैठक भी मथुरा में ही होने जा रही है.

'ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी', राम मंदिर डोनेशन स्कैम पर 'शक्तिमान' का शॉकिंग बयान, श्रीराम पर क्या कहा?

(जीएनएस)।

अयोध्या राम मंदिर में कथित चढ़ावा घोटाले को लेकर देशभर में चर्चा तेज है। जांच एजेंसियों की रिपोर्ट सामने आने के बाद जहां आम लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है, वहीं अब मनोरंजन जगत की हस्तियां भी इस मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रख रही हैं। इसी कड़ी में 'शक्तिमान' और 'महाभारत' से घर-घर में पहचान बनाने वाले एक्टर मुकेश खन्ना ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में मुकेश खन्ना ने जताई नाराजगी

मुकेश खन्ना ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक लंबा पोस्ट शेयर करते हुए मंदिरों में चढ़ावे के दुरुपयोग को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा भगवान को अर्पित किया जाने वाला धन कई बार अपने वास्तविक उद्देश्य तक नहीं पहुंच पाता और बीच रास्ते में ही गड़बड़ियों का शिकार हो जाता है।

'भगवान राम के नाम पर धोखा हो रहा है'

मुकेश खन्ना ने अपने पोस्ट में तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि ऐसे लोग सिर्फ भक्तों के विश्वास के साथ खिलवाड़ नहीं कर

रहे बल्कि भगवान के नाम पर भी धोखा दे रहे हैं। उन्होंने इस तरह की घटनाओं को बेहद शर्मनाक बताते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

मुकेश खन्ना ने भक्तों से की खास अपील

-मुकेश खन्ना ने अपने मैसेज में श्रद्धालुओं को सलाह देते हुए कहा कि यदि चढ़ावे को लेकर बार-बार इस तरह के विवाद सामने आते हैं, तो लोगों को नकद राशि और कीमती गहनों का दान करने से बचना चाहिए। उनका मानना है कि श्रद्धा और भक्ति का संबंध केवल धन से नहीं होता बल्कि सच्चे मन से की गई पूजा भी उतनी ही जरूरी है।

-मुकेश खन्ना ने संकेत दिया है कि यदि आर्थिक चढ़ावे को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं होती तो ऐसी घटनाएं लोगों की आस्था को प्रभावित कर सकती हैं। यही वजह है कि उन्होंने भक्तों से सोच-समझकर दान करने की अपील की है।

मुकेश खन्ना ने कहा- ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी

-मुकेश खन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने लिखा है- क्या आप जानते हैं, मंदिरों में आपका नकदी चढ़ावा, भगवान तक नहीं पहुंचता। बीच में कहीं खो जाता है। लूट मची पड़ी है। कहावत है ना, लूट सके तो लूट और लूटने वाले यहां भरे पड़े हैं। मैंने एक बार कहा था, भरे पड़े हैं चोर, डाकू और बेईमान, फिर भी मेरा देश है महान लेकिन इन चढ़ावा लूटने वालों को मैं क्या नाम दूं? चोर,डाकू या बेईमान? इनमें से कोई नहीं क्योंकि ये इन सबसे ऊपर हैं।

-मुकेश खन्ना ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा है- ये भक्तों को ही नहीं, भगवान को भी लूट रहे हैं। मैं सिर्फ भक्तों को सलाह दूंगा कि ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी, वैसे ही ना चढ़ेगा चढ़ावा, ना होगा घोटाला, सो चढ़ावा, चढ़ाना बंद कीजिए। खास तौर पर पैसों और गहनों का। भगवान खुश होंगे।

क्या है राम मंदिर पूरा विवाद?

-राम मंदिर से जुड़े इस विवाद ने तब तूल पकड़ा जब विशेष जांच दल (SIT) की रिपोर्ट में कथित तौर पर चढ़ावे की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े कई तथ्य सामने आए। रिपोर्ट में दावा किया गया कि मंदिर परिसर में चढ़ावे से संबंधित कई संदिग्ध घटनाओं की जांच की गई है, जिसने प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है।

-मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। बताया जा रहा है कि इस प्रकरण में कई लोगों से पूछताछ की गई है और कुछ आरोपियों को हिरासत में भी लिया गया है। हालांकि मामले की अंतिम सच्चाई जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल

विवाद सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल बढ़ गई है। मंदिर प्रबंधन व्यवस्था और चढ़ावे की निगरानी को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच सरकार और संबंधित विभागों द्वारा मामले की गंभीरता से जांच कराने की बात कही जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

एक्टिंग से दूर, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक्टिव हैं मुकेश खन्ना

-अगर मुकेश खन्ना के करियर की बात करें तो वह लंबे समय से टीवी और फिल्मों से दूरी बनाए हुए हैं। हालांकि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनकी मौजूदगी लगातार बनी हुई है। वह अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सामाजिक, धार्मिक और समसामयिक मुद्दों पर बेबाक राय रखते रहते हैं।

-'शक्तिमान' और 'महाभारत' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों ने उन्हें भारतीय टेलीविजन का एक प्रतिष्ठित चेहरा बनाया था। आज भी उनकी बातों को बड़ी संख्या में लोग गंभीरता से सुनते हैं, यही वजह है कि राम मंदिर विवाद पर उनकी प्रतिक्रिया चर्चा का विषय बनी हुई है।

-अयोध्या राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा घोटाले ने देशभर में बहस छेड़ दी है। जांच एजेंसियां मामले की तह तक पहुंचने में जुटी हैं जबकि समाज के विभिन्न वर्गों से प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। मुकेश खन्ना का बयान भी इसी चर्चा का हिस्सा बन गया है, जिसने मंदिरों में चढ़ावे की पारदर्शिता और श्रद्धालुओं के विश्वास को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

जुलाई के पहले हफ्ते होगा महाधमाका, Super Subbu से प्रीतम एंड पेड्रो तक देखें ये 5 सीरीज

(जीएनएस)।

बारिश की फुहारों और सुहाने मौसम के बीच अगर घर बैठे बेहतरीन मनोरंजन मिल जाए तो वीकेंड का मजा दोगुना हो जाता है। जुलाई का पहला सप्ताह डिजिटल एंटरटेनमेंट के शौकीनों के लिए कुछ ऐसा ही लेकर आ रहा है। आगामी 1 जुलाई से 7 जुलाई 2026 के बीच कई बड़ी और चर्चित सीरीज विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर दस्तक देने वाली हैं।

OTT प्रेमियों के लिए जुलाई का पहला सप्ताह रहेगा खास

इस बार दर्शकों को कॉमेडी, साइबर क्राइम, हाई-स्कूल ड्रामा, फैमिली एंटरटेनमेंट और साइंस-फिक्शन का शानदार मिश्रण देखने को मिलेगा। खास बात ये है कि इस सप्ताह कुछ ऐसे प्रोजेक्ट भी रिलीज हो रहे हैं, जिनका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।

जुलाई के पहले सप्ताह में रिलीज होंगी ये 5 वेब सीरीज

1. एली (Elle)

अमेजन प्राइम वीडियो- 1 जुलाई 2026

अगर आपने हॉलीवुड की मशहूर फिल्म 'लीगली ब्लॉन्ड' (Legally Blonde) देखी है, तो आपको उसकी चुलबुली लीड कैरेक्टर 'एली वुड्स' अच्छे से याद होगी। ये सीरीज उसी एली वुड्स के हाई-स्कूल के दिनों की प्रीक्वल कहानी है। इसमें दिखाया जाएगा कि हार्वर्ड लॉ स्कूल जाने से पहले लॉस एंजिल्स की ये 'इट गर्ल' कैसी थी और कैसे उसके फैशन सेंस और बेबाक अंदाज ने उसे सबसे अलग बनाया। ये शो आपको 90 के दशक के कॉलेज ड्रामा की याद दिलाएगा।

2. सुपर सुब्बू

नेटफ्लिक्स- 2 जुलाई 2026

साउथ स्टार संदीप किशन और 'लिटिल थिंग्स' फेम मिथिला पालकर की वेब सीरीज सुपर सुब्बू नेटफ्लिक्स की पहली फुल-फ्लेज्ड तेलुगू ओरिजिनल सीरीज है। ये एक लाइट-हार्टेड कॉमेडी-ड्रामा है जो सुब्रमण्यम

सुब्बू चिलुकुरी राव नाम के एक सीधे-साधे और कशमकश से भरे लड़के के इर्द-गिर्द घूमती है। सुब्बू की जिंदगी में कुछ ऐसी मजेदार और अजीब घटनाएं घटती हैं कि उसका पूरा लाइफस्टाइल ही बदल जाता है। वीकेंड पर हल्के-फुल्के मनोरंजन के लिए ये बेस्ट च्वॉइस है।

3. प्रीतम एंड पेड्रो

जियोहॉटस्टार- 3 जुलाई 2026

इस हफ्ते का सबसे बड़ा और सबसे चर्चित प्रोजेक्ट है 'प्रीतम एंड पेड्रो'। दिग्गज डायरेक्टर राजकुमार हिरानी इस सीरीज के साथ ओटीटी पर बतौर प्रोड्यूसर और शो-रनर अपना ग्रैंड डेब्यू कर रहे हैं। अरशद वारसी और विक्रांत मैसी जैसे दमदार एक्टर्स से सजी ये सीरीज अमित दुबे की मशहूर किताबों (Hidde»»f Files) पर आधारित है। गोवा के खूबसूरत और रहस्यमयी बैकड्रॉप पर सेट ये कहानी एक हाई-स्टेक साइबर-क्राइम थ्रिलर है, जो आपको स्क्रीन से चिपके रहने पर मजबूर कर देगी।

4. गिल्मोर गर्ल्स

अमेजन प्राइम वीडियो)- 1 जुलाई 2026

दुनियाभर में मशहूर और कल्ट क्लासिक ड्रामा शो 'गिल्मोर गर्ल्स' के सभी 7 सीजन्स अब अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने जा रहे हैं। मां-बेटी (लोरेलाई और रोरी गिल्मोर) के खूबसूरत रिश्ते, उनकी तेज-तर्रार मजेदार बातें और जिंदगी के उतार-चढ़ाव को दिखाती ये सीरीज बिंज-वॉच (एक साथ लगातार देखना) के लिए एकदम परफेक्ट है।

5. सिल्लो सीजन 3

एप्पल टीवी+ - 3 जुलाई 2026

अगर आप हॉलीवुड की दुनिया के गहरे सस्पेंस और साइंस-फिक्शन के दीवाने हैं, तो 'सिल्लो' का तीसरा सीजन आ रहा है। रेबेका फर्ग्यूसन स्टारर इस सीरीज में जमीन के नीचे बची इंसानी सभ्यता के गहरे राज और बगावत के बाद की खौफनाक कहानी को आगे बढ़ाया जाएगा।

इस वीकेंड क्या देखें?

अगर आप परिवार के साथ हल्का-फुल्का मनोरंजन चाहते हैं तो 'सुपर सुब्बू' एक शानदार विकल्प हो सकती है। वहीं रहस्य और साइबर क्राइम की दुनिया में डूबना चाहते हैं तो 'प्रीतम एंड पेड्रो' आपकी वॉचलिस्ट में सबसे ऊपर होनी चाहिए। रोमांच, भावनाएं और मनोरंजन से भरपूर ये नई रिलीज जुलाई के पहले सप्ताह को ओटीटी दर्शकों के लिए बेहद खास बनाने वाली हैं।

वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड में नहीं खिलाने से डबल मार

(जीएनएस)।

आयरलैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। दो मैचों की टी20 सीरीज में भारत को हार का सामना करना पड़ा और पहली बार आयरलैंड ने किसी द्विपक्षीय सीरीज में टीम इंडिया को शिकस्त दी। इस हार के बाद कई फैसले सवालों के घेरे में हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को दोनों मैचों में मौका नहीं दिए जाने की हो रही है।

टीम मैनेजमेंट ने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया, लेकिन यह दांव सफल नहीं रहा। खासकर तब, जब संजू सैमसन दोनों मुकाबलों में फ्लॉप रहे और भारत की बल्लेबाजी शुरूआत से ही दबाव में दिखाई दी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर वैभव सूर्यवंशी को आजमाने का मौका क्यों नहीं दिया गया।

इंग्लैंड दौरे से पहले सबसे बेहतर तैयारी का मौका था

आयरलैंड की पिचों पर गेंद लगातार स्विंग और अतिरिक्त उछाल ले रही थी। भारतीय बल्लेबाज इन परिस्थितियों से तालमेल बैठाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। यही वजह थी कि आयरलैंड दौरा इंग्लैंड सीरीज की तैयारी के लिए बेहद अहम माना जा रहा था, क्योंकि इंग्लैंड में भी बल्लेबाजों को लगभग ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

अगर वैभव सूर्यवंशी को इन मुकाबलों में खेलने का मौका मिलता, तो उन्हें विदेशी परिस्थितियों को समझने और उनमें खुद को ढालने का मौका मिलता। यह अनुभव इंग्लैंड दौरे पर उनके काफी काम आ सकता था।

संजू सैमसन फ्लॉप रहे, फिर भी नहीं मिला मौका

दोनों टी20 मैचों में संजू सैमसन बल्ले से प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। दूसरे मैच में तो अभिषेक शर्मा भी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। ऐसे में अगर वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलता और वह भी रन नहीं बना पाते, तब भी टीम को कोई अतिरिक्त नुकसान नहीं होता। कम से कम भविष्य के लिहाज से एक युवा बल्लेबाज को कठिन परिस्थितियों में परखने का अवसर जरूर मिल जाता।

अब इंग्लैंड में बढ़ सकती है चुनौती

अब अगर टीम इंडिया सीधे इंग्लैंड में वैभव सूर्यवंशी को मौका देती है और वह स्विंग और सीम मूवमेंट के सामने संघर्ष करते हैं, तो इसका नुकसान भारतीय टीम को ही होगा। आयरलैंड दौरा उन्हें इन परिस्थितियों के लिए तैयार करने का सबसे उपयुक्त मंच था, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने यह अवसर गंवा दिया।

वैभव सूर्यवंशी की सबसे बड़ी ताकत उनका आक्रामक खेल है। क्रिकेट में अक्सर कहा जाता है कि 'अटैक ही सबसे बेहतर डिफेंस होता है', लेकिन इंग्लैंड जैसी परिस्थितियों में केवल आक्रामकता ही काफी नहीं होती। वहां तकनीक, धैर्य और स्विंग गेंदबाजी के खिलाफ खुद को जल्दी ढालने की क्षमता भी उतनी ही जरूरी होती है।

आयरलैंड में उन्हें बाहर रखने का फैसला अब गलत साबित होता दिखाई दे रहा है। इंग्लैंड दौरे से पहले जिस अनुभव की उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी, वही अनुभव उन्हें नहीं मिल सका। अब देखना दिलचस्प होगा कि टीम मैनेजमेंट इंग्लैंड में वैभव पर भरोसा जताता है या फिर एक बार फिर उन्हें

चुनावी रणनीति की समीक्षा करने के लिए 3-4 जुलाई को लखनऊ का दौरा करेंगे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ का दौरा करने वाले हैं। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष तीन और चार जुलाई को यूपी की राजधानी का दौरा करेंगे।

लखनऊ, 29 जून (आईएएनएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ का दौरा करने वाले हैं। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष तीन और चार जुलाई को यूपी की राजधानी का दौरा करेंगे।

उनका यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भाजपा 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारी तेज कर रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा प्रमुख पार्टी के संगठनात्मक कामकाज की व्यापक समीक्षा करेंगे और राज्य में चुनाव की तैयारियों का जायजा लेंगे। उत्तर प्रदेश भाजपा के नए संगठनात्मक ढांचे की घोषणा और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति को लेकर उनका दौरा अहम माना जा रहा

है।

गुरुवार को, भाजपा की ओर से उत्तर प्रदेश के लिए एक नई संगठनात्मक टीम की घोषणा की गई और विधानसभा चुनावों से पहले अपनी राज्य इकाई में बड़ा फेरबदल किया गया। राज्य अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी सूची में कई अहम पदों पर नियुक्तियां शामिल हैं, जिनमें 19 राज्य उपाध्यक्ष, आठ राज्य महासचिव और 19 राज्य सचिवों के नाम हैं।

यह फेरबदल सामाजिक समूहों और क्षेत्रों के बीच संतुलन बनाने के साथ-साथ नए चेहरों को शामिल करने और उन्हें अहम जिम्मेदारियां सौंपने की पार्टी ने कोशिश की है।

नितिन नवीन संगठनात्मक तालमेल, जमीनी स्तर पर लामबंदी और आगामी चुनावों के लिए रोडमैप पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ पार्टी नेताओं और विभिन्न संबद्ध संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ पदाधिकारियों से नितिन नवीन के मिलने की संभावना है। नई राज्य टीम के गठन की समीक्षा के अलावा, भाजपा अध्यक्ष राजनीतिक घटनाक्रम और जमीनी स्तर पर पार्टी की तैयारियों के बारे में फीडबैक लेने के लिए क्षेत्रीय संगठनात्मक नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

पार्टी सूत्रों का मानना है कि यह दौरा विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश के लिए संगठनात्मक रोडमैप और चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने में अहम भूमिका निभाएगा।

लखनऊ में 'फिजियो समिट-2026' का आयोजनःउपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फिजियोथेरेपी की बढ़ती भूमिका पर दिए विचार

(जीएनएस)।

लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में 'फिजियो समिट-2026' का आयोजन

किया गया। इस शिखर सम्मेलन में प्रदेशभर से वरिष्ठ फिजियोथैरेपिस्ट और स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल हुए।द इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट (IAP), उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि रहे।उन्होंने फिजियोथेरेपी की बढ़ती भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि फिजियोथेरेपी अब बिना दवा के दर्द निवारण,फिटनेस और बेहतर जीवनशैली का एक प्रभावी माध्यम बन गई है। उन्होंने इसकी बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की शारीरिक क्षमता बनाए रखने, आईसीयू में भर्ती मरीजों के पुनर्वास, खेलों में लगने वाली चोटों के उपचार और बुजुर्गों के स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में फिजियोथेरेपी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है।

आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीकों विस्तृत जानकारी दी

समिट के दौरान, मेदांता हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम ने प्रतिभागियों को सीपीआर (उढफ) और बेसिक लाइफ सपोर्ट (इछर) का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीकों, मैनुअल थेरेपी और उन्नत उपचार पद्धतियों से संबंधित विस्तृत जानकारी भी साझा की गई।

समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने की आवश्यकता

मेदांता के डायरेक्टर (ऑथोर्पेडिक्स) डॉ. सौरभ शुक्ला ने आईएपी उत्तर प्रदेश के स्टेट सेक्रेटरी डॉ.के.के शर्मा ने आगामी वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे की तैयारियों पर चर्चा करते हुए फिजियोथेरेपी काउंसिल के शीघ्र गठन की मांग उठाई।वहीं, डॉ.डी.के मिश्र ने प्रदेश के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में फिजियोथैरेपिस्टों की नियुक्ति की आवश्यकता पर बल दिया।

आधुनिक तकनीकों के माध्यम से गठिया और अन्य अस्थि रोगों की रोकथाम एवं उपचार पर विस्तृत जानकारी दी।आईएपी उत्तर प्रदेश के स्टेट ट्रेजरर डॉ.एस.के गौतम ने फिजियोथेरेपी की पहचान और महत्व को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई।

आईएपी कानपुर शाखा के सचिव डॉ. स्टैनली ब्राउन ने फिजियोथैरेपिस्टों के लिए रोजगार के नए अवसरों, विशेषज्ञता और स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी की बढ़ती जरूरत के बारे में बताया। इस अवसर पर मेदांता के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. विक्रम सिंह चौहान, डॉ. अजीत किशोर सहित प्रदेशभर से आए अनेक वरिष्ठ फिजियोथैरेपिस्ट और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लखनऊ अग्निकांडः NHRC ने 15 मौतों पर अधिकारियों से मांगा जवाब, कोचिंग सेंटरों पर अब घेराबंदी

(जीएनएस)।

लखनऊ के अलीगंज इलाके में गत 22 जून को एक कोचिंग सेंटर में लगी भयानक आग में 15 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने शहर के अधिकारियों से जवाब मांगा है। ठल्फ्ठ ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है, जिनमें इस सेंटर में खराब फायर सेफ्टी और बिल्डिंग नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई थी।

NHRC ने अधिकारियों को दिया 2 सप्ताह का समय

NHRC ने अधिकारियों को 2 हफ्तों के भीतर यह बताने को कहा है कि इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई है। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि 2024 में बनाए गए सभी सुरक्षा नियम सभी कोचिंग सेंटरों में लागू हों। एक विशेष जांच दल (SIT) भी इस बात की पड़ताल कर रहा है कि कैसे गैर-कानूनी तरीके से इमारत में बदलाव और रास्ते बंद होने की वजह से यह हादसा और गंभीर हो गया।

सीएम योगी का विपक्ष पर हमलाः बोले- पहले व्यापारी असुरक्षित थे, बेटियां डरती थीं, अब बदली यूपी की तस्वीर

(जीएनएस)।

मुरादाबाद ,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद में 365.50 करोड़ रुपये की 74 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने 136.15 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जिनमें बुद्धि विहार फेज-2 का वॉर मेमोरियल, श्रीराम वाटिका और खेल पार्क प्रमुख हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद में 365.50 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें वॉर मेमोरियल, श्रीराम वाटिका और खेल पार्क का लोकार्पण शामिल है। बुद्धि विहार फेज-2 के मैदान पर जनसभा से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर पहुंचने के बाद दानवीर भामाशाह को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्र और समाज के प्रति योगदान को नमन किया।

भामाशाह के त्याग ने महाराणा प्रताप के स्वाभिमान की लड़ाई को दी नई ताकत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दानवीर भामाशाह के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका त्याग और समर्पण भारत के इतिहास में राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भामाशाह ने अपनी पूरी संपत्ति महाराणा प्रताप को समर्पित कर स्वाभिमान और स्वतंत्रता की लड़ाई को नई शक्ति प्रदान की।

सीएम योगी ने अपने संबोधन की शुरूआत पीतलनगरी मुरादाबाद, गुरु जंभेश्वर की पावन साधना स्थली और भारत की आजादी के क्रांतिकारियों की धरती को नमन करते हुए की। उन्होंने दानवीर भामाशाह जयंती और व्यापारी कल्याण दिवस की प्रदेशवासियों, विशेषकर व्यापारी वर्ग को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि मुरादाबाद दौरे के दौरान उन्हें सैकड़ों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने का अवसर मिला है। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर इन परियोजनाओं के शुभारंभ के लिए उन्होंने क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

कहा कि दानवीर भामाशाह का जीवन इस बात का प्रमाण है कि समाज का एक व्यक्ति भी राष्ट्र की सुरक्षा और स्वाभिमान की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने हल्दीघाटी युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि युद्ध के बाद जब महाराणा प्रताप को कठिन परिस्थितियों में जंगलों में संघर्ष करना पड़ा और संसाधनों का अभाव हो गया, तब भामाशाह अपनी पूरी संपत्ति लेकर उनके पास पहुंचे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भामाशाह द्वारा दिए गए आर्थिक सहयोग से महाराणा प्रताप ने वर्षों तक अपनी सेना का संचालन किया और मुगल बादशाह अकबर के सामने संघर्ष जारी रखा। उन्होंने कहा कि भामाशाह का त्याग और राष्ट्रभक्ति आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों को दुर्घटना में 10 लाख रुपये की सहायता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यापारी कल्याण दिवस के अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जो भी

उद्यमी या व्यापारी जीएसटी में पंजीकरण कराता है, यदि उसके साथ कोई दुर्घटना या अप्रिय घटना होती है, तो डबल इंजन सरकार उसके परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है।

मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने व्यापारियों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार व्यापारी वर्ग की सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का मुरादाबाद पहले के मुकाबले पूरी तरह बदल चुका है। उन्होंने कहा कि पहले और आज के मुरादाबाद में जमीन-आसमान का अंतर है। सरकार की विकास योजनाओं, बेहतर कानून व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से जिले ने नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास और सुशासन के माध्यम से हर क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

तुर्कों का साम्राज्य खत्म, अब रामराज्य ही चलेगा

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन दलों के पास विकास का कोई विजन नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इनके लिए विकास का मतलब केवल अपने परिवार का विकास है, जबकि भाजपा के लिए प्रदेश के 25 करोड़ लोगों का विकास ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि मुरादाबाद देहात में भी डबल इंजन सरकार का विधायक होता तो विकास की गति और तेज होती।

सीएम योगी बोले- शिक्षा, नवाचार और विकास की नई पहचान बन रहा है मुरादाबाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुरादाबाद अब शिक्षा, नवाचार और आधुनिक विकास की नई पहचान बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले जहां उच्च शिक्षा के लिए युवाओं को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता था, वहीं अब मुरादाबाद का अपना विश्वविद्यालय है, जिससे क्षेत्र के युवाओं को बेहतर अवसर मिल रहे हैं।

मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का मुरादाबाद नवाचार और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। शहर में चौड़ी सड़कों का निर्माण, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का विस्तार और आधुनिक सुविधाओं का विकास इसकी नई पहचान बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि शहर में श्रीराम वाटिका, संविधान वाटिका सहित कई पार्कों का सौंदर्यीकरण किया गया है। इसके साथ ही पौराणिक विरासत और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले क्रांतिकारियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृतियों को भी संरक्षित और विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुरादाबाद में आयोजित यह समारोह विकास, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और आधुनिक प्रगति का जीवंत उदाहरण है। यह दशार्ता है कि सरकार विकास के साथ-साथ इतिहास, संस्कृति और राष्ट्र के गौरवशाली नायकों को सम्मान देने का कार्य भी समान रूप से कर रही है।

पहले व्यापारी असुरक्षित थे, बेटियां डरती थीं

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। उन्होंने कहा कि उस समय युवाओं के लिए रोजगार नहीं था, किसानों के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं थी और व्यापारी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उस दौर में प्रदेश में एक कहावत चल पड़ी थी कि देख सपाई, बिटिया घबराई । उनका कहना था कि यह उस समय की कानून-व्यवस्था और असुरक्षा का प्रतीक बन गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ था और आम नागरिक भय के माहौल में जीवन जीने को मजबूर थे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और डबल इंजन सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। आज व्यापारी सुरक्षित वातावरण में कारोबार कर रहे हैं, बेटियां खुद को अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हैं और प्रदेश विकास, सुशासन तथा निवेश की नई पहचान बन चुका है।

अयोध्या को स्वीकार करना हमारी वैचारिक विजय, अब मथुरा-वृंदावन पर भी खुलकर बोलें विपक्ष

सीएम ने मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के मुखिया पर निशाना साधते हुए कहा कि अब उन्हें अयोध्या को स्वीकार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को विपक्ष के सहयोग की आवश्यकता नहीं है लेकिन अयोध्या को स्वीकार करना उसकी वैचारिक विजय है। उन्होंने कहा कि एक दिन समाजवादी पार्टी के नेता भी राम नाम का संकीर्तन करेंगे और अपनी पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा रामभक्तों पर गोली चलाने तथा जय श्रीराम बोलने वालों पर लाठीचार्ज कराने के लिए पश्चाताप करेंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में जो विकास कार्य होने थे, वे आज पूरे हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से जोड़ा गया है, जिसका नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है। घाटों, जनसुविधाओं और अन्य परियोजनाओं का नामकरण भी भगवान राम से जुड़े पात्रों और महापुरुषों के नाम पर किया गया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रद्धालुओं के लिए बनाई गई सुविधाएं भारतीय संस्कृति और परंपरा का सम्मान करती हैं।

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लेते हुए कहा कि उनकी सरकार में रामभक्तों पर गोलियां चली थीं, जबकि आज वही अयोध्या विश्वभर के श्रद्धालुओं के लिए आस्था और विकास का केंद्र बन चुकी है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि विपक्ष वास्तव में अपनी सोच बदल चुका है तो उसे मथुरा-वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर भी खुलकर अपनी राय रखनी चाहिए।

लाइनपार का नाम दाऊदयाल खन्ना नगर बनाने का एलान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता अब किसी राजनीतिक छलावे में आने वाली नहीं है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी की साइकिल पंचर हो चुकी है और उसकी राजनीतिक गति समाप्त हो गई है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि यदि विपक्ष राम का नाम ले रहा है तो यह भी अच्छी बात है। राम नाम का स्मरण करने से कभी न कभी कल्याण अवश्य होगा।

मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कहा कि सरकार गुरु जंभेश्वर मंदिर के कॉरिडोर के विकास के लिए कार्य करेगी। इसके अलावा श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ नेता और मुरादाबाद की प्रमुख हस्ती दाऊदयाल खन्ना के सम्मान में लाइनपार क्षेत्र का नाम 'दाऊदयाल खन्ना नगर' रखा जाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दाऊदयाल खन्ना ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने अपने पूज्य गुरु महंत अवैद्यनाथ के साथ आंदोलन को आगे बढ़ाने में सक्रिय योगदान दिया था। मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद नगर, कुंदरकी और बिलारी विधानसभा क्षेत्रों के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास पर क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

बाबरी सोच ने हरिहर मंदिर पर किया कब्जा- सीएम योगीःबोले- समाजवादी पार्टी की सोच विध्वंसक, 68 तीर्थों पर हुआ अतिक्रमण

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद में संभल के हरिहर मंदिर का जिक्र करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर 'बाबरी सोच' को लेकर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यह सोच विध्वंसक है और इसने हरिहर मंदिर के अस्तित्व से खिलवाड़ किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा की 'बाबरी सोच' विध्वंसक है। उन्होंने आरोप लगाया कि 500 साल पहले संभल में हरिहर मंदिर के साथ यही त्रासदी हुई थी, जब 68 तीर्थों और 19 कूपों पर जबरन कब्जा कर लिया गया था। योगी ने कहा कि यदि तत्कालीन समाज जागरूक होता, तो ऐसा नहीं होता और स्थानीय लोगों को धर्मांतरण

के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता था।

योगी आदित्यनाथ ने 'बाबरी सोच' को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की विभाजनकारी नीति बताया। उन्होंने कहा कि यह जातिवाद, क्षेत्र और भाषा के नाम पर समाज को बांटने, विद्वेष पैदा करने और राष्ट्रवादी समाज को कमजोर करने का प्रयास है, ताकि विध्वंसक मंसूबों वाले लोग मजबूत हो सकें।

उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर 2024 को संभल के विवादित धार्मिक स्थल श्रीहरिहर मंदिर बनाम शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दूसरे चरण के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस घटना में चार लोगों की मौत हुई थी, जबकि एसपी-सीओ सहित 30 से अधिक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घायल हुए थे। इसके बाद प्रशासन ने 68 तीर्थों, 19 कूपों सहित 200 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया था, जिसके बाद से संभल लगातार चर्चा में है।

बरेली में सीएम योगी के दौरे से पहले पोस्टर वार, सपा नेता ने पूछा- 'आखिर कहां गयी विधायक निधि?'

सपा नेताओं ने स्मार्ट सिटी और कैंट विधानसभा की समस्याओं को लेकर भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया.

(जीएनएस)।

बरेलीः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित बरेली दौरे से एक दिन पहले शहर की राजनीति में पोस्टर वार शुरू हो गया है. शहर के पॉश इलाके में समाजवादी पार्टी के नेता संजीव सक्सेना की ओर से लगाए गए पोस्टर ने राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है. पोस्टर में लिखा गया है, कैंट की जनता पूछे एक सवाल... आखिर कहां गयी विधायक निधि?

वहीं दूसरे हिस्से में लिखा है, विधायक जी मस्त, जनता त्रस्त. मुख्यमंत्री के आगमन से ठीक पहले लगाए गए इस पोस्टर को लेकर शहर में राजनीतिक चचाएं तेज हो गई हैं.

जनता के फीडबैक पर उठाया सवालः पोस्टर लगाने वाले सपा नेता संजीव सक्सेना का कहना है कि वह लंबे समय से समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए हैं और लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनते रहे हैं. उनके अनुसार, लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर ही उन्होंने यह पोस्टर लगाकर जनता की आवाज उठाने का प्रयास किया है. उन्होंने कहा कि उनका किसी व्यक्ति विशेष से व्यक्तिगत विरोध नहीं है, बल्कि उनका उद्देश्य क्षेत्र की समस्याओं को सामने लाना है. संजीव सक्सेना ने आरोप लगाया कि कैंट क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क, सुभाषनगर अंडरपास, श्मशान भूमि तक पहुंचने में आने वाली दिक्कतों सहित कई मूलभूत समस्याएं आज भी बनी हुई हैं.

अंडरपास और जलभराव की समस्या से लोग परेशानः उनका कहना

है कि बरसात के दौरान सुभाषनगर अंडरपास में जलभराव होने से स्कूली छात्राओं और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. वहीं सिटी श्मशान घाट तक शव ले जाने वाले लोगों को भी लंबे समय तक जाम और अव्यवस्था झेलनी पड़ती है. सपा नेता ने दावा किया कि यदि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो इन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि जनता विकास के मुद्दों पर मतदान करेगी और आगामी चुनाव में इसका जवाब देगी.

सीएम योगी के दौरे से पहले पोस्टर वारः मुख्यमंत्री के दौरे से पहले सामने आए इस पोस्टर ने बरेली के राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है. अब निगाहें मुख्यमंत्री के दौरे और सरकार की ओर से विकास कार्यों को लेकर दिए जाने वाले संदेश पर टिकी हैं. बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित बरेली दौरे से पहले समाजवादी पार्टी के नेता एवं पूर्व प्रवक्ता मयंक शुक्ला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर शहर के विकास को लेकर भाजपा सरकार और जिला प्रशासन पर सवाल उठाए. उन्होंने आरोप लगाया कि बरेली में विकास के बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है.

करोड़ों खर्च पर बंद पड़ी फाइलेंः करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कई परियोजनाएं आज तक आम जनता के लिए शुरू नहीं हो सकी हैं. मयंक शुक्ला ने कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन शहर आज भी टूटी सड़कों, जाम, अधूरी परियोजनाओं और बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहा है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन की गई स्काईवॉक, संजय कम्युनिटी हॉल परिसर का अमृत सरोवर और रेलवे स्टेशन के पास नगर निगम का कॉम्प्लेक्स अब तक जनता के उपयोग में नहीं आ सके हैं. इन परियोजनाओं पर खर्च हुई धनराशि की जवाबदेही तय होनी चाहिए.

बरेली के विकास पर बड़े आरोपः सपा नेता ने काष्ठकला केंद्र की निर्माण प्रक्रिया, सीएम ग्रिड योजना के तहत दीनदयालपुरम क्षेत्र के अधूरे विकास, किला ओवरब्रिज की गुणवत्ता, सीबीगंज आईटी पार्क, 300 बेड अस्पताल, यूनानी अस्पताल, स्मार्ट मीटर, ट्रैफिक सिग्नल, खुले मेनहोल, सुभाषनगर पुलिया, रबर फैक्ट्री की खाली पड़ी भूमि और शहर में बढ़ते प्रदूषण जैसे मुद्दे भी उठाए. उन्होंने आरोप लगाया कि कई योजनाएं वर्षों से अधूरी हैं और जनता को उनका लाभ नहीं मिल पा रहा है. मयंक शुक्ला ने यह भी कहा कि बरेली की जनता को केवल शिलान्यास और उद्घाटन नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाला विकास चाहिए. उन्होंने सरकार, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से अधूरी परियोजनाओं को जल्द पूरा कराने, अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की.